लड्डू-लठमार के बाद गोकुल में हुई छड़ीमार होली

गोकुल में देश और विदेश से आये श्रद्धालुओं की भीड़ थी

सुबह नंदभवन से ठाकुर जी का डोला निकला गया

अशफाक चौधरी

मथुरा। कान्हा की नगरी मथुरा होली के रंगों में सराबोर है। चारों ओर सतरंगी छटा बिखर रही है। बरसाना, नंदगांव, वृन्दावन, कृष्ण जन्मभूमि से होते हुए लठमार होली गुरूवार को गोकुल में छड़ीमार होली में परिवर्तित हो गई। यहां सबसे पहले कान्हा के बाल स्वरूप को पालकी में बैठाकर शोभायात्रा निकाली गई।

इसके बाद सजी-धजी गोपियों ने बाल गोपाल के साथ छड़ी मार होली खेली। गोकुल में देश और विदेश से आये श्रद्धालुओं की भीड़ थी। हर कोई गोकुल की गलियों में बरसने वाले रस रंग में सराबोर होने को पहुंचा। सुबह नंदभवन से ठाकुर जी का डोला निकला। गोकुल की गलियों में डोले पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। दोपहर बाद ठाकुर जी मुरलीघाट पर पहुंचे। यहां सोलह श्रृंगार कर तैयार गोपियां हाथों में छड़ी लेकर कान्हा का इंतजार कर रहीं थीं। कान्हा के सखा बाल ग्वाल भी अपनी पारंपरिक पोशाक पहनकर पहुंचे। ठाकुरजी के अनुमति लेने के साथ ही छड़ी मार होली का शुभारंभ हुआ।

रसिया होली के गीतों के बोल बाबा नंद के द्वार मची है होली... गाकर वातावरण को भक्तिमय मना दिया। महिलाएं और युवतियां नृत्य करने पर मजबूर हो रहे थे। सेवायतों के द्वारा श्रद्धालुओं पर ठाकुरजी का प्रसादी रंग और गुलाल डाला। रंग के इस आनंद में देश और विदेश से

गोकुल में ही खेली। भगवान का बाल स्वरूप होने से गोकुल में छड़ीमार होली होती है। श्रद्धालु होली खेलने को व्याकुल थे। नंदभवन नंदकिला मंदिर से भगवान का डोला व श्रीकृष्ण बलराम के स्वरूप मुरलीधर घाट की ओर चले। छड़ीमार होली के दौरान सारी मस्ती गोकुल में सिमट गई। श्रद्धा के फूलों से गलियां महक उठीं। ठाकुरजी फूलों की होली खेलते हुए मुरलीधर घाट की ओर बढ़े। मंदिर सेवायत पुजारी ने ठाकुरजी की आरती की। हुरियारिनें भी सोलह श्रृंगार कर डोले के साथ चल रहीं थीं। डोला मार्ग में श्रद्धालु बैंडबाजों की धुन पर झूमते रहे। गोकुल की गलियों में पैर रखने को जगह नहीं रही। श्रद्धालु भी सुधबुध खो गए और भगवान के जयघोष वातावरण में हर ओर गूंजते रहे। डोला नंद चौक होकर मुरलीधर घाट पर पहुंचा। यहां ठाकुरजी ने पहली बार बंशी बजाई और फिर छड़ी मार होली शुरू हो गई। भगवान श्रीकृष्ण का जन्म मथुरा में हुआ था, परंतु उनका बचपन गोकुल में गुजरा। यहां आज भी ब्रज से अलग प्राचीन होली खेली जाती है। इसी भक्ति भाव से आज गोकुल में छड़ी मार होली खेली गई। सुबह बाल गोपाल को फूलों से सजी पालकी में बैठाकर नंद भवन से मुरलीधर घाट ले जाया गया, जहां बाल गोपाल के साथ गोपियों ने छड़ी मार होली खेली। इस दौरान गोकुल की गलियां गुलाल और अबीर से रंगीन हो गई और कान्हा के भक्त भी अपने गोपाल के साथ होली खेली।

बाल गोपाल की शोभायात्रा के दौरान श्रद्धालु होली के गीतों पर नाचते-गाते हुए चल रहे थे। ठाकुरजी के डोले पर पुष्प बरसा हो रही थी। होली को देखने के लिए देश-विदेश से आए श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। हर कोई होली के रंगों में रंगे कान्हा के रूप को देख भाव विभोर हो गया। देश-विदेश के श्रद्धालु अद्भुत छड़ीमार होली देख सुधबुध खो गए। भक्त रसिया पर थिरकने से अपने को रोक नहीं सके। होरी खेलन आयो नंदकिशोर, मेरे चुनरी में लग गयो दाग री... रसिया पर मस्ती छा गई। हुरियारिनों भी प्रेम पगी छड़ियां हुरियारों को मार रहीं थीं। श्रद्धालु छड़ी रोकने का प्रयास करते रहे। हुरियारिनें हर तरफलोगों को दूर-दूर तक दौड़ाती रहीं।

देर शाम मंदिर सेवायत पुजारी मथुरादास के ठाकुरजी की आरती करने पर जयघोष होने लगा। ठाकुरजी का डोला नंदभवन नंदकिला के लिए प्रस्थान करने लगा। कुंज गलियों में अबीर-गुलाल के बदरा छा गए। कुंज गलियों में आसमान सतरंगी हो गया। टेसू के फूलों का रंग बरसने पर श्रद्धालुओं का तन-मन भीग गया। मंदिर में ठाकुरजी को विराजमान किया गया। होली खेलने के बाद हर हुरियारिन को मंदिर समिति द्वारा फगुआ दिया जाता है। इसमें बर्तन व मिष्ठान का वितरण होता है।

संस्कृति विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को विद्वानों ने बताई राम-कृष्ण की महा

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथि वक्ताओं, कवियों ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वल कर किया

अशफाक चौधरी

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय के कैंपस-1 स्थित सभागार में उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान लखनऊ द्वारा आयोजित 'श्रीराम-श्री कृष्णः जन चेतना एवं लोक हित के आदर्श' संवाद एवं संगोष्ठी में दूर दराज से आए हिंदी के लेखकों और कवियों ने विद्यार्थियों को आज के परिदृश्य में श्रीराम और श्रीकृष्ण के कृतित्व और उनके संदेशों की महत्ता बताते हुए कहा कि राम को जानना है तो तुलसी की रामायण को पढ़िए और कृष्ण को जानना है तो गीता को पढ़िए आपको अपनी हर समस्या, सवाल का उत्तर मिल जाएगा।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथि वक्ताओं, कवियों ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वल कर किया। कार्यक्रम का संचालन कर रहे इलाहाबाद के विधि विभाग के प्रवक्ता और जानेमाने कवि शैलेष गौतम ने अपनी सुगठित कविताओं और वक्तव्य के माध्यम से कहा कि भारत की ऐसी मातृत्व शक्ति को प्रणाम जिन्होंने राम और कृष्ण जैसे युग पुरुषों को जन्म दिया। यहां मौजूद युवा शक्ति जिसके पास देश की दशा और दिशा दोनों बदलने की सामर्थ्य है। उन्होंने कहा कि यह सही है कि राम का चित्र देखने में बहुत सुंदर है लेकिन पूजा उनके चरित्र

की होती है। भगवान श्री कृष्ण ने पर्वत एक अंगुली पर उठा लिया था लेकिन सुरों को साधने के लिए बांसुरी पर दसों अंगुली लगानी पड़ीं। उन्होंने राम की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि, राम युग से परे राम युगबोध हैं, राम सीधे सरल राम अनुरोध हैं, राम पथ हैं सुगम मूल्य आदर्श के, राम हर युग में रावण का प्रतिरोध हैं।

मथुरा के युवा कवि हरिंद्र नरवार ने कहा कि, भर सके रंग राम के चरित्र में..राम वन में गए तो राम बन गए। उन्होंने राम और कृष्ण के चरित्रों को अपनी रचनाओं में ढालकर विद्यार्थियों को उनके संदेशों पर अमल करने की प्रेरणा दी। ओज के युवा कवि ने अपनी कविताओं से उपस्थित विद्यार्थियों में जोश भर दिया। उन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से कहा कि अगर चंदवरदाई जैसे कवि नहीं होते तो राजा को युद्ध के लिए प्रेरित कौन करता। उन्होंने ब्रजभाषा में अपनी रचनाओं से विद्यार्थियों पर एक अमिट छाप छोड़ी। राजस्थान के डा. पद्म गौतम ने कहा कि आप सभी सौभाग्यशाली हैं जो संस्कृति की गोद में बैठकर विद्याध्यन कर रहे हैं। राम और कृष्ण हमारे प्रतिमान हैं, जिनको दूषित करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

उन्होंने अपनी रचना के माध्यम से कहा कि, राजनीत का खेल खेलें, न जाने रघुराई को बड़े हिमालय से बढ़कर हैं, अतल सिंधु से गहरे राम। टूंडला फिरोजाबाद से आए लटूरी सिंह लट्ठ ने अपनी रचनाओं के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी संस्कृति, परंपराओं का पालन करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जबतक राम और कृष्ण को आप पढ़ेंगे नहीं तब आप कैसे जानेंगे। उन्होंने कहा कि आप इनके जीवन से प्रेरणा लें। इससे पूर्व संस्कृति विवि के डा. रजनीश त्यागी ने आगंतुक वक्ताओं, कवियों को पटुका ओढ़ाकर और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम की व्यवस्था और संयोजन स्टूडेंट वेलफेयर के डीन डा. डीएस तोमर, डा.दुर्गेश वाधवा ने की।

मुम्बई के श्रद्धालु की हृदयगति रुकने से मौत

मथुरा। मुम्बई से श्रद्धालुओं का 40 सदस्यीय दल ब्रज होली महोत्सव में भाग लेने के लिए यहां आया हुआ था। मंगलवार को बांके बिहारी के दर्शन के बाद बाहर निकलते वक्त अचानक एक श्रद्धालु की तबियत बिगड़ी। गेट नम्बर एक पर स्थित चबूतरे पर उसे बैठ गया, जहां हृदय गति रुकने से श्रद्धालु की मौत हो गई। श्रद्धालु की पहचान मुम्बई के साईं कोलीवाड़ा निवासी 68 वर्षीय सुनील मांगो के रूप में हुई है। वह 40 लोगों के साथ वृंदावन में होली के अवसर पर दर्शन करने आए थे। श्रद्धालुओं का यह दल लोई बाजार स्थित बसंती धर्मशाला में ठहरा हुआ था। मंगलवार पूर्वाह्न अपने साथियों के साथ सुनील बांके बिहारी मंदिर दर्शन करने पहुंचे। दर्शन करने के बाद जैसे ही गेट नंबर एक से वे बाहर आए, तभी अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। साथियों ने उन्हें चबूतरे पर बैठाया और तभी वे गश खाकर गिर पड़े। पुलिस ने एम्बुलेंस से सुनील को सौ शैय्या अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। सुनील के साथ आई महिला प्रमिला ने बताया कि 17 मार्च को 40 लोगों को ग्रुप मुंबई से वृंदावन आया था। इस ग्रुप में सुनील मांगो भी आए थे। छह माह पहले ही उनकी पत्नी की मृत्यु हो चुकी है। बेटी कशिश अमेरिका में तो बेटा जयदीप मांगो मुम्बई में है।

एसएसपी आवास के सामने खड़ी कार से लाखों की नगदी चोरी होने की घटना का राजफाश

चार महिला सहित 9 गिरफ्तार, स्कूटी सहित करीब डेढ़ लाख बरामद

अशफाक चौधरी

मथुरा। 10 दिन पूर्व एसएसपी आवास के सामने खड़ी कार का शीशा तोड़कर लाखों रुपए की नगदी चोरी कर ले जाने वाले 9 महिला पुरुष को पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 1 लाख 48 हजार रुपए तथा चांदी के आभूषण बरामद हुए है। मुठभेड़ में दो अभियुक्त घायल हुए हैं।

गौरतलब हो कि बीते 12 मार्च को फरीदाबाद निवासी दीपक गुप्ता एसएसपी से मिलने उनके सिविल लाइन क्षेत्र स्थित आवास पर आए इस बीच श्री गुप्ता आवास के अंदर चले गए और उनका ड्राइवर अर्टिगा गाड़ी की स्टेफनी में पंचर लगवाने कहीं चला गया। इसी बीच मौका पाकर अज्ञात बदमाश अर्टिगा गाडी का शीशा तोडकर गाडी में रखी अटैची निकालकर ले गये थे जिसमें वादी के कागजात व नगद रूपये रखे हुए थे। उक्त घटना के सम्बन्ध में थाना सदर बाजार मथुरा पर मु.अ.सं. 74/24 धारा 379/427 भादवि पंजीकृत किया गया। दौरान विवेचना वादी ने अपने पैसों का हिसाब लगाने के बाद लिखित प्रार्थनापत्र देकर अपने कथन में बताया कि उसकी अटैची में उस दिन 1,48,000 रूपये थे चार लाख रु नहीं थे। उक्त घटना के खुलासे के लिए 06 टीमों का गठन किया गया।

पुलिस लाइन सभागार में एसएसपी शैलेश कुमार पांडेय ने बताया कि थाना सदर बाजार पुलिस द्वारा मय स्वाट टीम के सीसीटीवी कैमरा एवं अन्य तकनीकी एवं इलैक्ट्रानिक साक्ष्यो के आधार पर 20 मार्च को समय रात्रि 12 बजे के लगभग औरंगाबाद से उक्त गाडी में से रूपयो की चोरी कर ले जाने वाले 4 अभियुक्तगण को पुलिस मुठभेड में गिरफ्तार किया गया जिसमें से 02 अभियुक्तगण घायल हुए थे जिनका जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। अभियुक्तगण के कब्जे से 74,000 रूपये नगद व चोरी में प्रयुक्त मोटरसाइकिल व स्कूटी व तमंचा बरामद हुए । गिरफ्तार अभियुक्तगण से विस्तृत पूछताछ के दौरान ये तथ्य प्रकाश में आये कि ये लोग 5 पुरूषों एवं 4 महिलाओ का गैंग बनाकर भीड़ भाड़ वाले स्थानों पर रेकी कर चोरी जैसी घटनाओ को अंजाम देते है।

अभियुक्तगण की निशानदेही पर आज 21 मार्च को कैंट रेलवे स्टेशन मथुरा के पास से उनके अन्य साथी 1 अभियुक्त व 4 अभियुक्तागण को गिरफ्तार किया गया जिनके कब्जे से 46,000 रूपये नगद चोरी के रूपयों से खरीदे गये सफेद धातु के आभूषण बरामद किये गये । पुलिस प्रवक्ता के मुताबिक इनके नाम सूरज निवासी दिल्ली विशाल निवासी नई दिल्ली करन निवासी दिल्ली तथा 4 महिला घटना में शामिल होने पर गिरफ्तार किया गया है। मुठभेड़ में दो लोगो के गोली लगी है।

कोसी पुलिस ने कोटवन पर पकड़ी 35 लाख की शराब, तस्कर भागे

अशफाक चौधरी

मथुरा। कोसीकलाँ पुलिस ने तस्करी को जा रही गैर प्रान्त की अवैध शराब की 500 पेटी बरामद की है। प्रभारी निरीक्षक अजित कुमार ने बताया कि पुलिस टीम ने कोटवन चौकी पर चैकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना के आधार पर गांव गुहेता दस विसा के पास बम्बे की पुलिया से मुंगफली के बोरे के नीचे छुपाकर ले जायी जा रही गैर प्रान्त की इम्पीरियल ब्लू ब्राण्ड की 500 पेटी से भरी ट्रक को पकड़ा है। पुलिस की चैंकिग देख ट्रक में बैठे दो युवक उतर कर खेतों की तरफभाग निकले। बरामद शराब की कीमत लगभग 35 लाख रुपये और ट्रक की अनुमानित कीमत करीब 20 लाख रूपये बतायी जा रही है। बरामद शराब गैर प्रान्त पंजाब की है।

केएम : निःशुल्क ऑपरेशन से रोजाना हो रहे है नेत्र रोगी लाभान्वित, आंखों को मिली रोशनी

केएम हर महीने दे रहा है सैकड़ों नेत्र रोगियों के चेहरों पर खुशी की मुस्कान

अशफाक चौधरी

मथुरा। केएम हॉस्पिटल के नेत्र रोग विभाग की डाक्टर्स टीम रोजाना मरीजों की आंखों का ऑपरेशन सफलता पूर्ण कर रहे है। नेत्र विभाग के चिकित्सकों ने हाल ही में चालीस मरीजों के मोतियाबिन्द, पुतलियों में अल्सर का ऑपरेशन किया है। मरीजों ने निःशुल्क ऑपरेशन होने के बाद डाक्टर्स टीम के साथ-साथ केएमयू के कुलाधिपति किशन चौधरी को आभार जताया है। विदित रहे कि केएम में पिछले एक साल से निःशुल्क नेत्र ऑपरेशन किए जा रहे है। इसी श्रृंखला में नेत्र रोग के विभागाध्यक्ष एमके तनेजा के निर्देशन में डा. निधि जैन, डा. मीमंशा माहेश्वरी, डा. पंकज ने मोतियाबिन्द और पुतलियों में अल्सर से ग्रस्त होशियार सिंह, डालचंद, भीकम सिंह, हनीफ सहित 40 मरीजों का ऑपरेशन सफलतापूर्ण किया है। मरीज स्वस्थ्य है, उन्हें किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं हो रही है।

नेत्र रोग विभागाध्यक्ष डा. एमके तनेजा ने बताया केएम में फंडस कैमरा, ओसीटी तथा ग्रीन लेजर जैसी अत्याधुनिक मशीनों के होने से यहां सफेद मोतियाबिंद, काला मोतियाबिंद तथा आंखों के पर्दे (रेटिना) से पीड़ित मरीजों का आसानी से आपरेशन और उपचार सम्भव हो पाता है। हमारे यहां स्पेशलिस्ट चिकित्सक और लेटेस्ट मशीनें होने से किसी भी तरह की आंखों की परेशानी का उपचार सहजता से सम्भव है। नेत्र रोग विभाग में ग्रीन लेजर, रेटिना एंजियोग्राफी, ओसीटी, रेटिना में सूजन, टोनोमेट्री, गोनियोस्कोपी, ग्लूकोमा, एक्स्ट्रा ऑक्यूलर सर्जरी, रेटिनोस्कोपी, आंखों की सोनोग्राफी जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। यहां डायबिटिक तथा हाइपरटेंसिव मरीजों के रेटिना सम्बन्धी विकारों की जांच एवं इलाज की भी पूर्ण सुविधा है। डा. निधि जैन और डा. मीमंशा माहेश्वरी, डा. पंकज ने बताया कि आँख के प्राकृतिक लेंस की पारदर्शिता कम होने के कारण धुंधला दिखाई देता है जिसे मोतियाबिंद कहते हैं। मोतियाबिंद सामान्यता दोनों आँखों में विकसित होता है, लेकिन कुछ विशेष परिस्थितियों में यह केवल एक आँख को प्रभावित करता है। अधिकतर 40 वर्ष की आयु के बाद या उम्र बढ़ने पर आँखों में मोतियाबिंद विकसित होता हैं।

केएम विश्वविद्यालय के कुलाधिपति किशन सिंह चौधरी ने नेत्र रोग विभागाध्यक्ष एवं ऑपरेशन करने वाली डाक्टर्स की टीम को बधाई और शुभकामना दी। इसके उपरांत उन्होंने स्वयं नेत्र रोग मरीजों के पास जाकर उनका हाल जाना। इस मौके पर उनके साथ विवि के वाइस चांसलर डा. डीडी गुप्ता, प्रो. वाईस चांसलर, डा. शरद अग्रवाल, एडीशनल मेडीकल सुपरिडेंट डा. आरपी गुप्ता, मेडीकल प्राचार्य डा. पीएन भिसे आदि मौजूद रहे।

नगर निगम ने पूर्व मंत्री, विधायक, पुलिस थाने चौकी, बैंक, होटल, सरकारी अस्पताल से लाखों वसूले

अशफाक चौधरी

मथुरा। 2023-2024 वित्तीय वर्ष समाप्ति की ओर है, मथुरा-वृन्दावन नगर निगम ने टैक्स वसूली में झंडे गाड दिये है। पिछले वर्ष जहां साल में 24 करोड़ रू. से भी कम का राजस्व एकत्रित हो पाया था वही इस वर्ष 40 करोड़ रु वसूली करने में नगर निगम प्रशासन मात्र दो-चार कदम पीछे है। नगर आयुक्त शशांक चौधरी प्रतिदिन स्वयं राजस्व वसूली की समीक्षा कर रहे है जहां वह एक ओर लक्ष्य की वसूली करने वाले कर अधीक्षक, इंस्पैक्टर की पीठ थपथपा रहे है वहीं कुछ निष्क्रिय इंस्पैक्टर की जमकर खिंचाई कर रहे है। उनका कहना है कि वित्तीय वर्ष समाप्ति के उपरांत शत प्रतिशत वसूली का लक्ष्य प्राप्त करने के साथ-साथ अपने अपने जोन में उल्लेखनीय वसूली करने वाले इंस्पैक्टरों को प्रशस्ति पत्र देकर समानित किया जायेगा।

मथुरा-वृन्दावन नगर निगम क्षेत्र अलग-अलग जोन में बंटा हुआ है, सिटी जोन में इस बार निगम ने रिकार्ड कायम करते हुए पूर्व मंत्री, विधायक, रेस्टोरेंट मालिकों के अलावा पुलिस थाना चौकियों, जिला अस्पताल से वसूली प्राप्त कर वो कर दिखाया है जो आज तक के इतिहास में नही हुआ। अकेले मथुरा सिटी जोन ने मात्र एक माह में करीब दो करोड रू की वसूली की है। क्षेत्रीय इंस्पैक्टर राकेश कुमार चाहर के अनुसार पूर्व विधायक ठा. तेजपाल सिंह उनके महाराणा प्रताप होटल पर बकाया चल रहे करीब 6 लाख रू पूर्व कैबिनेट मंत्री सरदार सिंह से उनकी कोठी के एक लाख रू. पूर्व विधायक ठा. चंदन सिंह से अमर होटल और एक अन्य होटल के 5 लाख रू. पूर्व मंत्री श्याम सुन्दर शर्मा उनके भवन और विशाल मेगा मार्ट से 8 लाख रू. स्टेट बैंक मुख्य शाखा से 55 लाख रू. पूर्व आई ए एस अधिकारी के अतिथि होटल से 4.5 लाख रू. हीरा क्रिस्टल होटल से साढे तीन लाख रू. जिला अस्पताल से 62 लाख रू. किसान भवन और कॉपरेटिव ऑफिस डैम्पीयर नगर से 15 लाख, कोतवाली शहर, सदर बाजार थाना सहित कई पुलिस चौकियों से 11.5 लाख रू. टैक्स के रूप में वसूले गये है। सूत्रों का कहना है कि ये वो बकायेदार है जिन्होंने आज तक टैक्स के रूप में निगम को कोई भी धनराशि कभी भी नही दी। मुख्य कर निर्धारण अधिकारी एस.के.गौतम और कर अधीक्षक उम्मेद सिंह का दावा है कि रिकार्ड तोड़ वसूली से राज्य सरकार द्वारा मिलने वाली प्रोत्साहन धनराशि से मथुरा-वृन्दावन में अनेक विकास कार्य कराये जायेंगे।

वीर और प्रतिष्ठित सैनिकों को किया गया सम्मानित

अशफाक चौधरी

मथुरा। भारतीय सेना की उत्तरी कमान ने रेड ईगल डिवीजन के तत्वाधान में गुरुवार को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज सैन्य स्टेशन में आयोजित एक भव्य अलंकरण समारोह में अपने वीर और प्रतिष्ठित सैनिकों और यूनिटों को सम्मानित किया। सभी पुरस्कार विजेताओं को उनकी असाधारण बहादुरी,कर्तव्य के प्रति सराहनीय समर्पण और राष्ट्र के प्रति विशिष्ट सेवा के लिए सम्मानित किया गया । उत्तरी कमान भारतीय सेना की सबसे सक्रिय कमान है तथा अपनी सबसे गंभीर चुनौतियों और आतंकवाद के संकट का मुकाबला करने के प्रयासों में सबसे आगे है। इस प्रकार, उत्तरी कमान के

सैनिक हमेशा चाहे आधिकारिक तौर पर शांति में हो या ऑपरेशन में सक्रिय रहते हैं और पूर्ण रूप से उत्तरी कमान के आदर्श वाक्य 'हमेशा युद्ध में' का प्रतिनिधित्व करते हैं।

लेफ्टिनेंट जनरल एम वी सुचिन्द्र कुमार, पीवीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम बार, वीएसएम, जनरल ऑफिसर कमांडिंग -इन -चीफ उत्तरी कमान ने भारतीय सेना के अधिकारियों और सैनिकों को उनके निश्वार्थ कर्तव्य परायणता से परे उनकी बहादुरी के लिए वीरता और विशिष्ट सेवा पुरस्कारों से सम्मानित किया।यूनिटों को राष्ट्र की विशिष्ट सेवा, बहादुरी एवं उनकी असाधारण कार्य और अद्वितीय उपलब्धियों के लिए जीओसी-इन-सी यूनिट प्रशंसा पत्र भी प्रदान किये । समारोह के दौरान वीरता के लिए 45 सेना मैडल,विशिष्ट सेवा के लिए तीन सेना मैडल , एक युद्ध सेवा मैडल और 09 विशिष्ट सेवा मैडल सहित 58 पुरस्कार विजेताओं को मैडल प्रदान किए । इसके अलावा64 यूनिटों को यूनिट प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया । इस कार्यक्रम के दौरान जब प्रत्येक वीर सैनिक की अदम्य वीरता और अटूट साहस के बारे में पढ़ा गया,तो उपस्थित सभी लोगों का दिल गर्व और कृतज्ञता से भर गया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर,उत्तरी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ ने पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और सभी रैंकों को सभी क्षेत्रों में अपना सर्वश्रेष्ठ करने और भारतीय सेना की उच्च परंपराओं और मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

उत्तरी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ ने पुरस्कार विजेता सेवा कर्मियों को उनके कर्तव्यों के पालन में भरपूर समर्थन देने के लिए उनके परिवार के सभी सदस्यों के योगदान को सराहा। उन्होंने उपस्थित सभी पदों,पूर्व सैनिक कर्मियों और उनके परिवार जनों से राष्ट्र की सेवा में खुद को फिर से समर्पित करने को कहा। सेना कमांडर ने बाद में पुरस्कार विजेताओं के साथ बातचीत की और भारतीय सेना की उच्चतम परंपराओं को बनाए रखने में उनके अभूतपूर्व योगदान को स्वीकार किया। इस समारोह में बड़ी संख्या में सैन्यकर्मी,देश के गणमान्य नागरिक और पुरस्कार विजेताओं के गौरवान्वित परिवार शामिल हुए। मुख्यतः, राष्ट्र और विशेष रूप से भारतीय सेना अपने बहादुर सैनिकों का सम्मान और उनकी देखभाल करने में कभी असफल नहीं होती है और इस समारोह में आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से इस अवधारणा को इसी भावना के साथ प्रदर्शित किया गया था।